SAMPLE QUESTION PAPER - 3
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

एक किसान के बगीचे में फलों के अनेक पेड़ लगे हुए थे। उनमें रसीले मीठे-मीठे फल लगते थे। किसान बड़ा सीधा सादा था। उसने सोचा कि यह बगीचा तो मेरे श्रम की देन है किन्तु जिस भूमि पर मेरा बगीचा है वह तो ज़मींदार की है। इस तरह इन फलों पर उसका भी हक बनता है। एक दिन वह रसीले फलों की टोकरी भरकर जमींदार को दे आया। ज़मींदार ने जब किसान के बगीचों के फल चखे तो वह दंग रह गया। इतने मीठे व स्वादिष्ट फलों का सेवन उसने आज तक नहीं किया था। उसने सोचा ऐसे मीठे फलों के पेड़ तो मेरे यहाँ होने चाहिए। उसने सेवकों को आदेश दिया कि किसान के यहाँ से पेड़ों की जड़े उखाड़ लाएँ। सभी ने ज़मींदार को समझाने का प्रयास किया किन्तु उस पर लोभ का नशा चढ़ चुका था। उसके सेवक भी कड़े मन से बेचारे किसान के यहाँ से जड़े उखाड़ लाए और ज़मींदार के बगीचे में रोप दीं। ज़मींदार ने माली को सख्त आदेश दिया कि उनका रखरखाव ध्यान से करे। अगली बार वह खुद इन फलों को तोड़कर इनका रसास्वादन करेगा। एक दिन उसने देखा कि जड़े लाख प्रयत्नों के बावजूद मुरझाती जा रही थीं। माली से इसका कारण पूछा तो वह डरते-डरते बोला, 'मालिक क्षमा कीजिएगा, किन्तु यह लोभ का फल है। आपने लोभवश किसान के मीठे फलों की जड़ों को यहाँ लगवा तो लिया है, किन्तु जो जड़े प्रेम, सद्भावना व निःस्वार्थ भावना से वहाँ पनप रही थीं वे अब स्वार्थ के वशीभूत सड़ चुकी हैं।' माली की बात सुनकर ज़मींदार को अपनी गलती का अहसास हो गया।

1. जमींदार ने अपने सेवकों को क्या आदेश दिया? (1)
   (क) किसान के यहाँ से पेड़ों को ही उखाड़ लाएँ
   (ख) किसान के यहाँ से पेड़ों की जड़े उखाड़ लाएँ
   (ग) बगीचे में फलों को तोड़ लायें
   (घ) किसान को बंदी बनाकर ले आयें
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
   कथन (A): ज़मींदार ने किसान के बगीचे के पेड़ों की जड़ें अपने बगीचे में इसलिए लगवाईं क्योंकि वह मीठे फलों का लालच करता था।
   कारण (R): लोभ के वशीभूत होकर लगाई गई जड़ें पनप नहीं पाईं क्योंकि उन्हें प्रेम और निःस्वार्थ भावनाओं की आवश्यकता थी।
   विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. किसकी बात सुनकर ज़मींदार को अपनी गलती का अहसास हुआ ? (1)

(क) माली की बात सुनकर

(ख) किसान की बात सुनकर

(ग) पेड़ की बात सुनकर

(घ) लोगों की बात सुनकर

4. किसान के बगीचे के फलों पर जमींदार का हक कैसे बनता था? (2)

5. जमींदार फल खाकर चकित क्यों रह गया? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व शय्या त्यागकर खुली हवा में भ्रमण करने से शरीर का अंग-अंग खुलता है। इस समय उपवन, वन, खेत या नदी तट की सैर मन को अपार आनंद प्रदान कराती है। शीतल ताज़ी हवा के शरीर में प्रवेश करने वाली ऑक्सीजन साँसों को ताज़गी देती है। प्रातःकाल सूर्य की सुनहरी किरणें मानो स्वर्गीय संदेश लेकर धरती पर आती हैं। उनसे समस्त सृष्टि में नई चेतना का संचार होता है। इस समय वन-उपवन में पुष्प विकसित होते हैं, तड़ागों में कमल मुसकाते हैं, पेड़ों पर पक्षी चहचहाते हैं। धीमी-धीमी, शीतल, सुगंधमय पवन के झोंके हृदय में हिलोर उठाते हैं। ऐसी मोहक प्रकृति से दूर सोए रहने वाले अभागे हैं। उनका भाग्य भी उन्हीं की तरह सोया रहता है, ऐसे व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

1. 'अभागा' किसे कहा गया है? (1)

(क) सुबह सैर करने वालों को

(ख) मोहक प्रकृति से दूर सोए रहने वालों को

(ग) ठीक से सो न पाने वालों को

(घ) बीमार लोगों को

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व खुली हवा में भ्रमण करने से शरीर में ताजगी आती है और मन को अपार आनंद मिलता है।

कारण (R): प्रातःकाल सूर्य की सुनहरी किरणों और ताजगी से भरी हवा का शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे समस्त सृष्टि में नई चेतना का संचार होता है।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. सूर्योदय का संधि विच्छेद कीजिए। (1)

(क) सूर + उदय

(ख) सूर्यो + दय

(ग) सूर्य + दय

(घ) सूर्य + उदय

4. प्रातःकाल के समय किन स्थानों की सैर मन को अपार आनंद प्रदान कराती है? (2)

5. मोहक प्रकृति से आप क्या अभिप्राय निकालते हैं? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. खिलाड़ी मैदान की ओर गए हैं। वाक्य में **क्रिया-विशेषण पदबंध** की पहचान कीजिए।

ii. बाजार से **<u>सब्जियाँ लाने रीमा</u>** को भेजा गया। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iii. पिता ने बच्चों से कहा कि जबतक उनकी माता घर न आए तब तक सभी घर पर ही उनका इंतजार करें। वाक्य में प्रयुक्त **अव्यय पदबंध** लिखिए।

iv. गुलाबी रंग का **<u>पेन मोहित</u>** का है। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

v. पासा में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहता था। इस वाक्य में **विशेषण पदबंध** क्या है?

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

i. रात के दस बजे और मैंने पढ़ना बंद कर दिया। (मिश्र वाक्य)

ii. गरजते बादलों में बिजली कौंध रही है। (संयुक्त वाक्य)

iii. जो परिश्रम करता है, उसकी पराजय नहीं होती। (सरल वाक्य)

iv. लोकप्रियता के कारण उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ। (संयुक्त वाक्य)

v. अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। (सरल वाक्य में)

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. 'राजमहल' शब्द का समास विग्रह कीजिए और इसके प्रकार को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

ii. द्वंद्व समास में दोनों पदों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iii. 'शरीरशुद्धि' शब्द का समास विग्रह करते हुए इसके भेद को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iv. 'वहिष्कृत' शब्द का समास विग्रह करते हुए इसके प्रकार को समझाइए। **[1]**

v. 'सत्कर्म' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**
सारी सच्चाई जाने बिना किसी पर ________ ठीक नहीं । (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**
प्रात:काल बिस्तर से उठते ही चाय पीना, फिर ब्रश करने का प्रचलन भारतीय संस्कृति की दृष्टि से ________ जैसा है। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'राई का पहाड़ बनाना' और 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' में क्या अंतर है? **[1]**

iv. 'दीवारों के भी कान होते हैं' का वाक्य लिखिए। **[1]**

v. "तुम्हारे प्रयास अधूरे हैं, इस तरह सफलता हाथ नहीं लगेगी।" इस वाक्य में छिपे मुहावरे को पहचानें और वाक्य में प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चीटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, **आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।** सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चीटियों से बोले, **घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।** चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

i. सुलेमान सबके राजा थे। कैसे?

क) वे युद्ध लड़ते थे
ख) वह सब पर जुल्म करते थे
ग) वह पूरी मानव जाति के राजा थे
घ) वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे

ii. खुदा ने सुलेमान को किसका रखवाला बनाया था?

क) सारे जीव-जंतुओं का
ख) अपने परिवार का

ग) मानव जाति का

घ) चीटियों का

iii. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): चींटियों ने अपने लिए ईश्वर से दुआ माँगी।

कारण (R): सुलेमान चींटियों की बात सुनकर रुक गए।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

iv. चीटियाँ क्यों डर गईं?

क) फौज के आने का सुनकर

ख) रखवाले को देखकर

ग) सुलेमान को देखकर

घ) घोड़े के टाप की आवाज से

v. सुलेमान ने चीटियों की बात क्यों सुन ली?

क) क्योंकि चीटियाँ जोर से बात कर रहीं थी

ख) क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

ग) क्योंकि वे सबके लिए मुसीबत थे

घ) क्योंकि खुदा ने उनको सबका रखवाला बनाया था

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **बड़े भाई साहब** पाठ के आधार पर बताइए की छोटे भाई के मन में कौन-सी कुटिल भावना उदित हुई और क्यों? **[2]**

ii. पशु-पर्व में तताँरा के प्रति वामीरो की माँ का व्यवहार उचित था या अनुचित? तर्क सहित अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। **[2]**

iii. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया? 'कारतूस' पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. **तीसरी कसम** पाठ के आधार पर फ़िल्म समीक्षक राजकपूर को किस तरह का कलाकार मानते थे? और क्यों? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

i. सैनिकों की देशवासियों से क्या अपेक्षा है?

क) देश के विकास की

ख) देश के उत्थान की

ग) देश की सुरक्षा की

घ) देश के विस्तार की

ii. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

(क) सैनिक सर पर कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि उनके जीवन का अंत निकट है।

(ख) सैनिक सर पर कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि वे अत्यंत घायल अवस्था में हैं।

(ग) सैनिक सर से कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि देशहित में मृत्यु का भी सामना करना पड़ सकता है।

(घ) सैनिक सर से कफ़न बाँधने की बात करते हैं क्योंकि युद्ध के दौरान ऐसा करने की एक प्राचीन परंपरा है।

पद्यांश से मेल खाते हुए उपर्युक्त कथन/कथनों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए:

क) (ग) और (घ) ख) केवल (ग)

ग) (क) और (ख) घ) केवल (ख)

iii. कवि किस काफ़िले को सजाने की बात कह रहा है?

क) देश की रक्षा हेतु तत्पर सैनिकों के काफ़िले को
ख) सीमा पर रसद पहुँचाने वाले काफ़िले को
ग) सीमा पर भोजन पहुँचाने वाले काफ़िले को
घ) देश की सीमा पर तैनात सैनिकों के काफ़िले को

iv. पद्यांश में **कट गए सर हमारे** में **हमारे** संबोधन का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

क) देश की रक्षा हेतु घायल होते सैनिकों के लिए
ख) देश की सीमाओं पर पहरा देते सैनिकों के लिए
ग) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए
घ) देश के उत्तरी क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए

v. **राह कुर्बानियों की न वीरान हो** पंक्ति में किस **राह** की बात की गई है?

क) मातृभूमि की रक्षा हेतु अहिंसा की राह
ख) मातृभूमि की रक्षा हेतु बलिदान की राह
ग) दुश्मनों से शांतिपूर्ण समझौता करने की राह
घ) दुश्मनों से अहिंसात्मक बदला लेने की राह

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. "हरि आप हरों ....." पद में मीरा ने किन-किन भक्तों पर की गई कृपा को स्मरण करते हुए हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती की है? **[2]**

ii. **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में कौन-से दृश्य जादू के समान प्रतीत हो रहे हैं? **[2]**

iii. विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी - **मनुष्यता** कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्ति का भाव कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **[2]**

iv. गोले-बारूद छोड़नेवाली तोप अब किस काम आती है? तोप कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. उन घटनाओं का उल्लेख कीजिए जिनके आधार पर हरिहर काका को अपने भाई और महंत एक ही श्रेणी के लगते थे। **[3]**

ii. **सपनों के से दिन** पाठ के लेखक और **टोपी शुक्ला** नामक पात्र का बचपन एक जैसा-सा है। आपके बचपन से इनकी कथा कैसे मिलती-जुलती है? **[3]**

iii. बुद्धिमान होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। इस घटना का दोष उसकी पारिवारिक स्थितियों को दिया जाए या शिक्षा व्यवस्था को? अपने तर्क सम्मत विचार दीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **हिन्दी साहित्य की उपेक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- हमारी मातृभाषा
- पाठकों का घटता रुझान और कारण
- उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय

ii. **देश में बढ़ता भष्ट्राचार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग
- भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप
- समाधान व नागरिक के कर्त्तव्य

iii. **नारी सशक्तिकरण : सुदृढ़ समाज का आधार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**
संकेत-बिंदु -

- क्या है?
- क्यों?

- बाधाएँ
- सुझाव

13. सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा निदेशालय में प्राथमिक शिक्षकों (अनुबंध आधार पर) से आवेदन-पत्र माँगे गए हैं। सुमन शर्मा की ओर से आप आवेदन-पत्र प्रस्तुत कीजिए। **[5]**

अथवा

परीक्षा के दिनों में विद्युत आपूर्ति नियमित न होने से हो रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए विद्युत प्रदाय संस्थान के मुख्य प्रबन्धक को तुरन्त इसे ठीक करने का अनुरोध कीजिए।

14. आप विद्यालय के हैड बॉय/हैड गर्ल, देव/देविका हैं। बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में एक विज्ञान-मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें छात्रों द्वारा तैयार मॉडल और परियोजना-कार्य प्रदर्शित किए जाएँगे। सर्वश्रेष्ठ मॉडल और परियोजना कार्य को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिया जाएगा। इस मेले से संबंधित जानकारी देते हुए एक सूचना लगभग **80** शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

प्रत्येक बच्चे को खुश रहने और खिलौनों से खेलने का अधिकार है। **आवासीय कल्याण केन्द्र** के सचिव की ओर से पुराने खिलौने **आवासी कल्याण कार्यालय** में एकत्रित किए जाने की सूचना 80 शब्दों में लिखिए ताकि ये खिलौने कम सुविधा प्राप्त बच्चों में वितरित किए जा सकें।

15. कोई कंपनी जैविक फल-सब्जी बाज़ार में लाना चाहती है, उसके प्रचार-प्रसार के लिए एक विज्ञापन लगभग **40** शब्दों में तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

लाल बाग में पुष्प-प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। उसके प्रचार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

16. अपने प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को इमेल लिखिए जिसमें अन्य विद्यालय से फ़ुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो। **[5]**

अथवा

रात में मैं पढ़ रही थी कि कुछ सरसराहट सी सुनी तो क्या देखती हूँ ... विषय पर एक लघुकथा लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ख) ज़मींदार ने अपने सेवकों को यह आदेश दिया कि किसान के यहाँ से पेड़ों की जड़े उखाड़ लाएँ।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (क) माली की बात सुनकर ज़मींदार को अपनी गलती का अहसास हुआ।
   4. बगीचा किसान का था परंतु ज़मीन ज़मींदार की थी इसलिए बगीचे के फलों पर ज़मींदार का हक बनता था।
   5. ज़मींदार ने अपने जीवन में इतने मीठे व स्वादिष्ट फलों का सेवन कभी नहीं किया था इसलिए फल खाकर चकित रह गया।
2. 1. (ख) मोहक प्रकृति से दूर सोए रहने वालों को अभागा कहा गया है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) सूर्य + उदय
   4. प्रातःकाल के समय वन, खेत, उपवन या नदी तट की सैर मन को अपार आनंद प्रदान करती है।
   5. जब पुष्प विकसित होते हैं, कमल मुसकाते हैं, पेड़ों पर पक्षी चहचहाते हैं और पवन शीतल और सुगंधमय होती है, तब हमें मोहक प्रकृति का अनुभव होता है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. मैदान की ओर गए हैं
   ii. संज्ञा पदबंध
   iii. बच्चों से कहा कि जबतक
   iv. संज्ञा पदबंध
   v. सुंदर और शक्तिशाली
4. i. जैसे ही रात के दस बजे वैसे ही मैंने पढ़ना बंद कर दिया।
   ii. बादल गरज रहे हैं और बिजली कौंध रही है।
   iii. परिश्रम करने वाले की पराजय नहीं होती।
   iv. उसकी लोकप्रियता थी इसलिए उसका जोरदार स्वागत हुआ।
   v. अचानक वामीरो कुछ सचेत होकर घर की तरफ दौड़ पड़ी।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i)
   - विग्रह: राज + महल
   - प्रकार: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "राज" (राजा से संबंधित) और "महल" (घर या स्थान) का मिलकर नया अर्थ बनता है, यानी राजा का महल।

   (ii) द्वंद्व समास में दोनों पद एक-दूसरे के समान होते हैं और दोनों मिलकर एक संयुक्त अर्थ उत्पन्न करते हैं। उदाहरण - "पुस्तकालय" (पुस्तक + पुस्तकालय) में दोनों शब्द समान रूप से जुड़े हुए हैं।
   (iii) विग्रह: शरीर + शुद्धि
   भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें "शरीर" (शरीर) और "शुद्धि" (साफ़ करना) मिलकर "शरीरशुद्धि" (शरीर की सफाई) का अर्थ बनाते हैं।
   (iv)
   - विग्रह: वहि + स्कृत
   - प्रकार: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "वहि" (बाहर) और "स्कृत" (किया गया) मिलकर "वहिष्कृत" (बाहर किया गया) शब्द बनाते हैं।

   (v)
   - विग्रह: सत् + कर्म
   - भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें "सत्" (अच्छा) और "कर्म" (कार्य) मिलकर "सत्कर्म" (अच्छे कार्य) का अर्थ बनाते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) लाल-पीला होना
   (ii) उलटी गंगा बहाने
   (iii) राई का पहाड़ बनाना: छोटी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना।
   खोदा पहाड़ निकली चुहिया: बहुत प्रयास के बाद मामूली परिणाम प्राप्त होना।
   (iv) तुम जो भी बात करो, संभलकर करो क्योंकि दीवारों के भी कान होते हैं।
   (v) मुहावरा: सफलता हाथ लगना।
   वाक्य: कठिन परिश्रम के बिना सफलता हाथ नहीं लगती।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में

कुछ चीटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, **आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।** सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चीटियों से बोले, **घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।**

चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

(i) **(घ)** वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे
व्याख्या:
वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे

(ii) **(क)** सारे जीव-जंतुओं का
व्याख्या:
सारे जीव-जंतुओं का

(iii) **(ख)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(iv) **(घ)** घोड़े के टाप की आवाज से
व्याख्या:
घोड़े के टाप की आवाज से

(v) **(ख)** क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे
व्याख्या:
क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) छोटे भाई के मन में अपने बड़े भाई के अगले साल भी फेल हो जाने की कुटिल भावना उदित हुई क्योंकि उनके फेल हो जाने से वे दोनों एक ही कक्षा में हो जाएँगे जिससे बड़े भाई साहब बात-बात पर उस पर रौब नहीं जमा पाएँगे और न ही उसका अपमान कर पायेंगे।

(ii) पशु-पर्व में तताँरा के प्रति वामीरो की माँ का व्यवहार उचित नहीं था। वामीरो की ख़ुशी तताँरा के साथ थी। तताँरा में कोई कमी नहीं थी। सब उसका आदर करते थे। वह हमेशा सबकी सहायता करने को तत्पर रहता था। ऐसे सर्वगुणसंपन्न पुरुष से अपनी पुत्री का विवाह न करना और उसे अपमानित करना उचित नहीं था। केवल अपने झूठे रीतिरिवाज की पूर्ति के लिए वामीरो की माँ का उठाया गया कदम सही नहीं था।

(iii)कर्नल अपने काफिले के साथ जंगल में वजीर अली को पकड़ने के लिए डेरा लगाया हुआ था । एक रात एक सवार वहां आया और उसने कर्नल से अकेले में बात करने की बात कही ।
सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का - बक्का रह गया क्योंकि वह सवार कोई और नहीं खुद वजीर अली था | उसकी हिम्मत और बहादुरी को देखते हुए कर्नल ने उसे एक जाँबाज सिपाही कहा |

(iv)फ़िल्म समीक्षक राजकपूर को आँखों से बात करने वाला कलाकार मानते थे क्योंकि राजकपूर अभिनय ही नहीं करते थे, परंतु चरित्र के अनुसार उसकी आत्मा में उतर जाते थे, उससे एकाकार हो जाते थे।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) **(ग)** देश की सुरक्षा की
व्याख्या:
देश की सुरक्षा की

(ii) **(ख)** केवल (ग)
व्याख्या:
केवल (ग)

(iii) **(क)** देश की रक्षा हेतु तत्पर सैनिकों के काफ़िले को
व्याख्या:
देश की रक्षा हेतु तत्पर सैनिकों के काफ़िले को

(iv) **(ग)** देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए
व्याख्या:
देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए

(v) **(ख)** मातृभूमि की रक्षा हेतु बलिदान की राह

व्याख्या:

मातृभूमि की रक्षा हेतु बलिदान की राह

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) "हरि अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।" इस बात को निम्न उदाहरणों से सिद्ध करने का प्रयास किया गया है-

i. जब दु:शासन द्रौपदी का चीरहरण कर रहा था, तब हरि ने द्रौपदी को वस्त्र दे कर उसकी लाज बचाई थी ।

ii. हरि ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप का वध करके प्रह्लाद की जान बचाई थी।

iii. गजराज की पुकार सुनकर उसे मगरमच्छ के मुँह से बचाकर हरि ने उसकी रक्षा की थी।

(ii) कवि कहता है कि बादल रूपी विमान में सवार इन्द्र आकाश में इस प्रकार घूम रहा है जैसे कोई जादूगर अपना खेल दिखा रहा हो। कहीं बादलों का समूह पहाड़ों को छिपा रहा है तो कहीं गहरे कोहरे के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि तालाब से धुआँ उठ रहा है। ये सभी दृश्य जादू के समान प्रतीत होते हैं।

(iii) कवि यह कहना चाह रहे हैं कि हर मनुष्य को एक ना एक दिन मरना है इसीलिए हमें मृत्यु से घबराना नहीं चाहिए। बल्कि ऐसा काम करके इस दुनिया से जाना चाहिए कि सब लोग हमें याद रखें. उस आदमी का जीना या मरना अर्थहीन है जो अपने स्वार्थ के लिए जीता या मरता है।

(iv) कविता के अनुसार गोल-बारूद छोड़ने वाली तोप एक जमाने में बहुत ही ताकतवर थी, किन्तु अब छोटे लड़कों के घुड़सवारी के काम आती है। अगर उससे खाली हुई तो चिड़ियाँ उसपे बैठकर गपशप करती हैं। कभी-कभी तो गौरैये इसके अंदर घुसकर भी शैतानी करती हैं। इन सब से पता चलता है कोई बुरी शक्ति कितनी भी ताकतवर क्यों ना हो, उसे एक दिन मिटना ही है।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका कि अपने भाई और महंत एक ही श्रेणी के लगते थे। इसे व्यक्त करने वाली दो घटनाएँ निम्नलिखित हैं-

- पहले, भाइयों ने अपनी पत्नियों को काका की अच्छी तरह देखभाल करने को कहा, फिर बाद में काका द्वारा ज़मीन देने से मना करने पर भाइयों ने काका के साथ मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी। मानसिक प्रताड़ना भी दी।
- महंत ने भी पहले तो काका के साथ अच्छा व्यवहार किया, उनकी आवभगत की किंतु जब काका ने अपनी ज़मीन ठाकुरबारी को देने से मना किया तो महंत का व्यवहार भी बदल गया और उसने भी काका को उनके भाइयों की तरह ही शारीरिक और मानसिक यातनाएँ दीं। उनका अपहरण कर लिया और ज़बरदस्ती ज़मीन हथियाने का प्रयास किया।

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ के लेखक के मित्र राजस्थान व हरियाणा से आए परिवारों के थे जिनकी बोली भी कम समझ में आती थी लेकिन मित्रता कोई भेद-भाव नहीं जानती। बचपन में लेखक उनके साथ खूब मौज-मस्ती करता। खेलते-दौड़ते में यदि चोट लग जाती तो घर आने पर डाँट पड़ती। लेकिन अगले दिन फिर उन्हीं मित्रों के साथ खेलने लग जाता। लेखक अध्यापकों से सदा भयभीत रहा तथा परिवार से विशेष अपनापन नहीं मिला। वहीं 'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी को भी अपने मुस्लिम मित्र व उसकी दादी से ही बचपन में अपनापन मिला। घरवाले इफ़्फ़न से मिलने पर डाँटते रहे लेकिन मित्रता भेद-भाव नहीं जानती। वह फिर भी उसके पास जाता। स्कूल में अध्यापक के दुर्व्यवहार से टोपी आहत रहता। इस तरह दोनों का बचपन एक जैसा रहा। मैं भी अपने बचपन में खूब खेलता था। स्कूल के दिन बहुत मस्ती भरे लगते थे क्योंकि मैं अपने मित्रों के साथ खूब मौज-मस्ती करता था। चोट भी लगती थी। इस कारण अपने अभिभावकों से डर भी लगता था। पढ़ाई में कम रुचि के कारण अपने अध्यापकों से भी डर लगता था। लेकिन इसके बाद भी मैं मित्रों के साथ खेलने जरूर जाता, चाहे वे किसी भी धर्म के थे।

(iii) बुद्धिमान होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया था। इसके दो कारण थे पहले साल तो वह पढ़ ही नहीं पाया क्योंकि घर के सदस्य उससे अपने-अपने काम करवाते थे जिस कारण उसे पढ़ने का समय ही न मिल पाता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया इस कारण वह पास न हो पाया था। वह अकेला पड़ गया था क्योंकि उसके दोस्त दसवीं कक्षा में थे और इसमें उसका कोई नया दोस्त नहीं बन पाया। वह शर्म के कारण किसी के साथ अपने दिल की बात न कर पाता था और अध्यापकों की हँसी का पात्र होता था क्योंकि कक्षा में आने पर अध्यापक कमज़ोर लड़कों के रूप में उसका उदाहरण देते और उसे अपमानित करते हुए व्यंग्य करते थे। कक्षा के छात्र भी उसका मज़ाक उड़ाते थे। टोपी के भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में कुछ आवश्यक बदलावों की आवश्यकता है। किसी भी छात्र को एक ही कक्षा में दो बार फेल नहीं करना चाहिए दूसरी बार उसे अगली कक्षा में बैठा देना चाहिए। छात्र जिस विषय में पास न हो रहा हो उसे उससे हटा दिया जाए। विषय चुनाव की छूट मिलनी चाहिए। बच्चों को अंकों के आधार पर नहीं अपितु ग्रेड के आधार पर अगली कक्षा में भेज देना चाहिए ताकि वह अपनी । स्थिति पहचान कर मेहनत कर सके। अध्यापकों को कड़ा निर्देश देना चाहिए कि कक्षा में फेल होने वाले छात्रों को अपमानित न कर उनका हौसला बढ़ाते हुए उनकी मदद करें।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **हमारी मातृभाषा -** किसी देश की वह भाषा जिसका प्रयोग उस देश के लगभग सभी राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और गाँव के लोगों के द्वारा किया जाता है वह मातृ भाषा कहलाती है। हिन्दी भाषा भारत की मातृ भाषा व राष्ट्र भाषा दोनों पदों पर आसीन है। हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में भारत की आधिकारिक राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त है।

पाठकों का घटता रुझान और कारण - स्वतंत्रता के पश्चात् इस भाषा के साहित्यिक पक्ष की लोग उपेक्षा कर रहे हैं। वर्तमान समय में भी इसके साहित्य के प्रति लोगों का रुझान घटता जा रहा है। लोग हिन्दी साहित्य को छोड़कर विदेशी साहित्य के मनोरंजन के प्रधान साधन सिनेमा की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। उन्हें कविताओं के स्थान पर फिल्मी गानों की धुनें अधिक याद रहती हैं। इसकी उपेक्षा के मूल कारण हैं - हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार में कमी, दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों में इससे संबंधित कार्यक्रमों का अभाव व विद्यालयों में हिन्दी पर कम ध्यान दिया जाना। यदि यही स्थिति रही तो एक दिन हिन्दी साहित्य अपना अस्तित्व खो देगा।

उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय - इसके अस्तित्व को बचाने व लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ाने के लिए इसके प्रचार-प्रसार पर अधिक बल देना

होगा। दूरदर्शन के कार्यक्रमों में इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों को स्थान देना होगा। काव्य गोष्ठियों का आयोजन करना होगा। कवि सम्मेलनों का आयोजन करना होगा व इन सबसे ऊपर कवियों का सम्मान करना होगा तभी हिन्दी साहित्य को पुनः अपना स्थान प्राप्त होगा।

(ii) **भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग-** भ्रष्टाचार का तात्पर्य है- भ्रष्ट व्यवहार या अनैतिक व्यवहार। दुर्भाग्य से आज सारे भारतवर्ष में भ्रष्टाचार व्याप्त है। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रह गया है जिसमें ईमानदारी से कार्य होता है। आज विद्यालय में प्रवेश का मामला हो या नौकरी मिलने का, सब जगह भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकारी कार्यालयों में तो काम तभी हो पाता है जब उन्हें घूस मिल जाती है। पुलिस के भ्रष्टाचार का तो कहना ही क्या? जब अपराधी निकल जाता है, तब पुलिस हवा में डंडे चलाती हुई आती है और गरीब बेकसूरों को पकड़कर ले जाती है।

भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप- भारत में भ्रष्टाचार इसलिए पनपता है क्योंकि यहाँ का नेता स्वयं भ्रष्ट है। इसलिए वह भ्रष्ट लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही नहीं करता। यहाँ की न्याय प्रणाली भी भ्रष्टाचार की लपेट में आ गयी है। यदि हम भ्रष्टाचार के मूल में जाएँ तो उसका मूल कारण मानव का स्वार्थ, उसकी लिप्सा तथा धन लोलुपता दिखाई देती है। आज प्रत्येक व्यक्ति उचित तथा अनुचित साधनों द्वारा धन प्राप्त करने में लगा दिखाई देता है। मनुष्य की बढ़ती हुई आवश्यकता है तथा उन्हें पूरा करने के लिए अपनाए जा रहे साधन, अनियंत्रित होती महँगाई तथा अमीर गरीब के बीच का बढ़ता अंतर ही भ्रष्टाचार को जन्म देता है।

समाधान व नागरिकों के कर्त्तव्य- यदि हम भ्रष्टाचार को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें प्रत्येक व्यक्ति के मनोबल को ऊँचा उठाना होगा तथा शिक्षक, साहित्यकार, पत्रकार, कवि, कलाकार एकजुट होकर नवयुवाओं में आचरण की शुद्धता के संस्कार भरें और भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई छेड़ दें। यदि भ्रष्ट राजनेता अपने आचरण को सुधार लें तो भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। साथ ही हमें न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा। नई तकनीक भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने में अपना योगदान दे सकती है।

(iii) **नारी सशक्तिकरण: सुदृढ़ समाज का आधार**

नारी सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो समाज के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर महिलाओं को अधिक शक्ति और स्वतंत्रता प्रदान करने की प्रक्रिया है। इसके माध्यम से महिलाएं स्वीकार करती हैं कि उनके समाज में भी अपनी भूमिका और योगदान का महत्व है।

नारी सशक्तिकरण का उद्देश्य महिलाओं को उनकी अधिकारों, स्वतंत्रता और अवसरों के बारे में जागरूक करना है। यह महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाता है, जो उन्हें अपने जीवन के निर्धारण में सक्षम बनाता है।

इस राह में कई बाधाएँ हैं, जैसे जातिवाद, शैक्षिक असमानता, और सामाजिक रूप से परिवार और समाज में महिलाओं के अधिकारों की कमी। इन बाधाओं को दूर करने के लिए, समाज को एक जागरूक और सजीव सांस्कृतिक परिवर्तन की आवश्यकता है, जो महिलाओं के अधिकारों को समझने और समर्थन करने में मदद करेगा।

सुझाव के रूप में, समाज को महिलाओं के लिए उचित शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए, उन्हें आर्थिक स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए, और उन्हें बड़े पड़ोसी समुदायों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके रूप में, महिलाओं को उनके पूर्ण पोटेंशियल की ओर एक सशक्त समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनाने में मदद मिलेगी।

13. B-4/25 गोविन्दनगर,
दिल्ली।
28 फरवरी, 20xx
शिक्षा निदेशक महोदय,
पुराना सचिवालय,
दिल्ली।
विषय- प्राथमिक शिक्षिका हेतु आवेदन पत्र
महोदय,
दिनांक 27 फरवरी, 20XX के दैनिक जागरण समाचार में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि निदेशालय को प्राथमिक शिक्षकों की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ, मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - सुमन शर्मा
पति का नाम - श्रवण कुमार
जन्म तिथि - 14-11-1982

शैक्षिक योग्यताएँ -	XI	सी.बी.एस.ई. 1995	प्रथम श्रेणी 65%
	XII	नेशनल ओपन स्कूल 1997	द्वितीय श्रेणी 58%
	बी.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2000	द्वितीय श्रेणी 55%
व्यावसायिक योग्यता -	जे.बी.टी.	डाइट दिल्ली 2003	प्रथम श्रेणी 65%
	एम.ए.	पत्राचार संस्थान दिल्ली 2006	द्वितीय श्रेणी 58%

अनुभव - 15 जुलाई, 2007 से अब तक हैप्पी पब्लिक स्कूल में प्राथमिक शिक्षिका के रूप में कार्यरत।
आशा है कि मेरी योग्यताओं पर विचार करते हुए आप सेवा का अवसर अवश्य देंगे।
सधन्यवाद।
प्रार्थिनी
सुमन शर्मा

अथवा

सेवा में,
मुख्य अभियन्ता,
बी. एस. ई. एस.,
राजधानी पावर लिमिटेड,
मथुरा (उ०प्र०)।
दिनांक ....
विषय - बिजली की अनियमित आपूर्ति के सम्बन्ध में।
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान अपने इलाके में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों की ओर दिलाना चाहता हूँ। आजकल हमारी दसवी बोर्ड की परीक्षाएँ चल रही हैं। ऐसी स्थिति में बार-बार बिजली चले जाने से हम छात्रों को पढ़ाई करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली की इस आँख-मिचौली से हम छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान पड़ता है, इसका हमारे परीक्षा परिणाम पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। न बिजली जाने की कोई निश्चित समय की निरंतरता है न बिजली आने की। जब भी हम छात्रों के पढ़ने का समय होता है तो बिजली चली जाती है या बहुत कम वोल्ट में आती है।
आपसे अनुरोध है कि हम छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए इस इलाके में बिजली की नियमित आपूर्ति की व्यवस्था करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दें। हम आपके अनुगृहीत होंगे।
धन्यवाद।
भवदीय,
राहुल

14.

विद्यामंदिर स्कूल
जलियानवाला बाग पंजाब
सूचना

दिनांक: 20 अक्टूबर, 2023

बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में विज्ञान-मेला आयोजन हेतु सुचना

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है की बाल दिवस के अवसर पर हमारे विद्यालय में एक विज्ञान-मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में छात्रों के द्वारा तैयार किए गए मॉडल और परियोजना-कार्य प्रदर्शित किए जाएँगे। सर्वश्रेष्ठ मॉडल और परियोजना कार्य को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस मेले में आपका सहयोग एवं भागीदारी हमारे विद्यालय के उत्कृष्टता को प्रकट करेगा। आप सभी का स्वागत है, और इस मेले को सफल बनाने में अपनी उपस्थिति दर्शाएँ।
धन्यवाद।
देविका
(हैड गर्ल)

अथवा

सूचना
आवासीय कल्याण केंद्र
खिलौने वितरण हेतु

दिनांकः 12/02/20XX
प्रत्येक बच्चे को खुश रहने और खिलौनों से खेलने का अधिकार है। अतः जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे केंद्र में पुराने खिलौने कम दाम में रखे गए हैं। ये उन बच्चों के मनोरंजन के लिए हैं जिनके पास सुविधाओं का अभाव है। इच्छुक अभिभावक केंद्र के सचिव से ये खिलौने प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खरीद सकते हैं।
रोमिल टिक्कू
अध्यक्ष
आवासीय कल्याण केंद्र

15.

हैलो किसान !
"पवन ऑर्गेनिक फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड"
लेकर आया है आपके लिए फलों एवं सब्जियों की जैविक खेती का उपहार…।
स्वस्थ जीवन का पहला कदम!
हमारी जैविक फल-सब्जियाँ, बिना किसी रसायन के, ताजगी और स्वाद से भरपूर।
अपने परिवार के लिए चुनें शुद्धता और गुणवत्ता।
आज ही आज़माएं और स्वास्थ्य को अपनाएं।
"अब मिलेगी हानिकारक रसायनों से मुक्ति"

ऑर्डर करें: **पवन ऑर्गेनिक फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड**
7854654524211432131653

अथवा

विज्ञापन

लाल बाग में पुष्प-प्रदर्शनी

फूलों की सुंदर प्रदर्शनी में आपका स्वागत है।

प्रकृति की अद्भुत सुंदरता का आनंद लें।

आकर्षक पुष्प सज्जा, दुर्लभ फूल और रोमांचक गतिविधियों का आनंद लें।

परिवार और मित्रों के साथ आइए।

दिनाँक- 20 जून, 2024 को समय- सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक।

स्थान- लाल बाग, बेंगलुरु।

16. From: pawan@mycbseguide.com

To: abcschool@gmail.com

CC ...

BCC ...

विषय - फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल की टीम से ही फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है।

अतः मेरा आपसे आग्रह है कि आप मुझे आज्ञा देने की महान कृपा करें और साथ ही दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें।

पवन

अथवा

पिछले महीने मेरी परीक्षाएँ चल रही थीं। मेरी आदत बचपन से ही रात में पढ़ने की रही है। अपनी इसी आदत के कारण मैं रात में बैठी हुई पढ़ रही थी। रात के लगभग 1 बजने को आए थे अचानक मुझे कुछ सरसराहट सी सुनाई दी। पहले मुझे लगा कि मन का वहम है, तो मैंने ध्यान नहीं दिया। फिर वही सरसराहट-सी दुबारा सुनाई दी। मैं अपने कमरे से बाहर निकली तो आवाज़ बढ़ गई। अब ध्यान से सुना तो ऐसा लगा कि बाहर दरवाज़े के पास दो-तीन लोग आपस में कुछ खुसर-फुसर कर रहे थे। मैंने कमरे की खिड़की से बाहर झाँका तो तीन नकाबपोश दरवाज़े को खोलने की कोशिश में लगे हुए थे। अब तो मेरी साँस ही अटक गई। मैंने होशियारी से काम लेते हुए चुपचाप अपने माता-पिता को जगाया और सारी बात बताई। यह सुनकर वे भी सोच में पड़ गए। पर फिर मेरे पिता ने साहस से काम लेते हुए पड़ोस वाले अंकल को फोन किया। उनका बड़ा बेटा पुलिस में है। अंकल ने फ़ौरन पुलिस स्टेशन फोन किया और अपने बेटे को सारी स्थिति से अवगत करवाया। उनके बेटे ने उन्हें आश्वासन दिया। थोड़ी ही देर में वो अपने साथ पुलिस और सिपाही लेकर आ गए और उन नकाबपोशों को धर दबोचा।